सातवाहन वंश 60 ई.पू. - 240 ई.

→ पुराणो मे आंध्र-सातवाहन वंश को क्या कहा गया है → आंध्र भृत्य या आन्ध्र जा

→ सातवाहन वंश का संस्थापक कौन था → सिमुक, (कण्व शासक सुशर्मा की हत्या क

→ सिमुक के बारे मे जानकारी के स्रोत है → पुराण एवं नानाघाट प्रतिमालेख

→ पुराणों में सिमुक को कहा गया है → सिंधुक शिशुक सिप्रक एवं वृषल

→ सिमुक उत्तराधिकारी था → कृष्ण (कान्हा)

→ कृष्ण का उत्तराधिकारी था → शातकर्णी I

→ शातकर्णी प्रथम ने कितने यज्ञ कराये → दो अश्वमेध एवं एक राजसूय यज्ञ

→ शातकर्णी ने कौन से सिक्के चलवाये → मालव शैली की गोल मुद्राएं तथा अपनी पत्नी के नाम पर

→ शातकर्णी I ने कौन सी उपाधि ली → सम्राट, दक्षिणापथपति, अप्रतिहतचक्र

→ पेरिप्लस ऑफ इरिथ्रियन सी" में शातकर्णी I को कहा गया है → एल्डरसैरागोनस

→ पुराणों के अनुसार शातकर्णी I ने कितने समय तक शासन किया → 56 वर्ष

→ शातकर्णी प्रथम या सातवाहनों की राजधानी थी → प्रतिष्ठान

→ शातकर्णी प्रथम का उत्तराधिकारी था → वेदश्री एवं शक्ति श्री जिसका संरक्षण अधीन

→ शातकर्णी प्रथम एवं गौतमीपुत्र शातकर्णी के बीच सबसे महत्वपूर्ण शासक था → हाल

→ हाल के जानकारी के स्रोत है → पुराण, काव्यमीमांसा, लीलावती, अभिधानचिंतामणि

→ मत्स्य पुराणो के अनुसार हाल सातवाहन वंश का कौनवां शासक था → 17वाँ

→ हाल के दरबारी विद्वान थे → वृहत्कथा के रचयिता गुणाढ्य एवं कातन्त्र के रचनाकार

→ राजा हाल ने किससे शादी की थी → लंका की राजकुमारी लीलावती

→ शक शासक नहपान को किसने हराया → गौतमीपुत्र शातकर्णी

→ गौतमीपुत्र शातकर्णी ने किसे हराया → शक, यवनों, पल्लवों एवं क्षहरातों को

→ गौतमीपुत्र शातकर्णी सातवाहन वंश 23वां राजा था

→ गौतमीपुत्र शातकर्णी का शासन काल था → 106-130 ई.

→ गौतमीपुत्र शातकर्णी के महत्वपूर्ण अभिलेख है → नासिक एवं कार्ले अभिलेख

→ गौतमीपुत्र शातकर्णी ने कौन सी उपाधि ली → वेणकटक, राजराज, महाराज स्वामी

→ गौतमीपुत्र शातकर्णी ने कौन सी नगर की स्थापना की → वेणकटक

→ क्षत्रियो को पराजित कर गौतमीपुत्र शातकर्णी ने कौन सी उपाधि ली → क्षत्रियदर्पमानम

→ शकों को पराजित करने के बाद गौतमीपुत्र को कहा गया → शक-यवन-पहलव

→ नहपान को पराजित करने पर गौतमीपुत्र कहलाया → क्षहरात निसूदरस

→ गौतमी पुत्र द्वारा शकों को हराने के पश्चात पुलुमावी के नासिक अभिलेख में उसे कहा गया है → कुलयशप्रतिष्ठापनकर

CLASSMATE
Date:
Page:

त्रि-समुद्र-तोय-पीत-वाहन किसे कहा जाता है → गौतमीपुत्र शातकर्णी
शून्यवाद का संस्थापक नागार्जुन किसका समकालीन था → गौतमीपुत्र शातकर्णी
गौतमीपुत्र शातकर्णी का उत्तराधिकारी था → पुलुमावी 130-154 ई.
पुलुमावी का उल्लेख मिलता है - अमरावती लेख से
अमरावती लेख में पुलमावी को कहा गया है → दक्षिणापथेश्वर
दो पतवार वाले जहाजों के सिक्के किस राजा से सम्बन्धित थे → पुलुमावी से
पुलुमावी ने किस नगर की स्थापना की → नवनगर की
टॉलमी ने पुलुमावी को कहा है → पोलेमैओस
पुलुमावी को किसने पराजित किया → शक राजा रुद्रदामन ने (जूनागढ़ अभिलेख)
सातवाहन वंश का 27वाँ शासक था → यज्ञश्री शातकर्णी 174-203 ई.
यज्ञश्री शातकर्णी के बारे में जानकारी मिलती है → वायुपुराण
यज्ञश्री किसका दामाद था → रुद्रदामन का
यज्ञश्री ने पुराणों के अनुसार कितने वर्ष तक शासन किया → 29 वर्ष
यज्ञश्री शातकर्णी के सिक्कों पर किसका चित्र है → जहाज का
सातवाहन वंश का अंतिम शासक था → पुलुमावी IV

—

सातवाहन वंश का प्रशासन, समाज एवं संस्कृति.

सातवाहन वंश के महत्वपूर्ण अधिकारी थे → अमात्य, महामात्र भण्डारगारिक
ग्रामीण क्षेत्रों के अधिकारी कहलाते थे → गौल्मिक
नगरों का प्रशासन चलाया जाता था → निगम सभा
महत्वपूर्ण नगर थे → भरूकच्छ, सोपारा, कल्याण, पैठन, गोवर्धन, धनकटक.
सैनिक समूह को कहा जाता था → कटक, स्कंधावार
समाज का आधार था → वर्ण व्यवस्था जिसमें ब्राह्मण सर्वश्रेष्ठ थे
समाजिक ढांचा था → मातृसत्तात्मक
सातवाहन काल का सबसे महत्वपूर्ण सामाजिक बदलाव था → शकों एवं यवनों का भारत
सातवाहन काल में किस धर्म की उन्नति हुई → वैदिक धर्म तथा बौद्ध धर्म की
बौद्ध धर्म का महत्वपूर्ण केन्द्र था → नागार्जुनकोंड एवं अमरावती
मिलिन्दपन्हो में कितने व्यवसायों का उल्लेख है → 36 प्रकार के
व्यवसायिक संघों के प्रमुख कहलाते थे → श्रेष्ठिन

सातवाहन काल के प्रमुख बन्दरगाह थे → पूर्व में कन्टकोसील, कोड्डूर, अल्लोसिंगे
पश्चिम में बेरीगाजा (भड़ौच) सोपारा कल्यान आदि जिसमे भड़ौच सबसे महत्वपूर्ण था

सातवाहनों की राजकीय भाषा थी → प्राकृत

सातवाहनों के समय कितने प्रकार के सामन्त होते थे → 3, महारथी, महाभोज, महासेनापति

सातवाहनों के अधिकतर सिक्के किस धातु के मिले है → सीसे के

पुराणों के अनुसार सातवाहनों ने कुल कितने समय तक शासन किया → 300